भक्ति आन्दोलन पर एक निबंध लिखें ?

IMPORTANT NOTES

भारत में तुर्क अफगान काल में इस्लामी साम्राज्य की स्थापना के बाद इस्लाम धर्म के प्रचार एवं प्रसार तीव्रता से प्रारम्भ हो रहा था। इस्लाम धर्म एक नया धर्म था इसमें जाति-पाति ऊँच नीच का कोई भेद नहीं था अतः भारत में जाति-पाति ऊँच नीच आदि के भेदभाव से पीड़ित एवं उपेक्षित वर्गों को इस्लाम आकर्षक प्रतीत हुआ और हिन्दुओं के निम्न वर्गों के लोगों ने इस्लाम धर्म अपनाकर समाज में प्रतिष्ठा पाने के लिए उत्सुक होने लगा इस प्रकार अधिकाधिक हिन्दुओं द्वारा इस्लाम स्वीकार करने की प्रवृत्ति बढ़ी इससे हिन्दुओं को अपने धर्म को सुरक्षित रखने के लिए धर्म सुधारकों द्वारा नई विचारधारा का प्रचार किया जिसमें जाति-पाति छुआछूत ऊँच-नीच आदि का भेदभाव न हो और जो सबके ग्राह्य हो अतः प्रभावित होकर मुसलमानों की एकता में कमी आई और हिन्दु धर्म के उन तत्वों को ग्रहण कर लिया जिसमें प्रेम और भक्ति के पक्ष में महत्वपूर्ण था हिन्दु धर्म में मोक्ष प्राप्ति के लिए तीन साधनों

रानी ऐन के राज्यकाल की आन्तरिक घटनाओं का विवरण दीजिए

इंग्लैण्ड के इतिहास में रानी ऐन के राज्यकाल की आन्तरिक घटनाओं का महत्वपूर्ण स्थान है चूंकि विलियम तृतीय की मृत्यु घोड़े पर से गिर जाने के कारण हो गया था उनके बाद व्यवस्थापक कानून के अनुसार ऐलिजावेथ की पुत्री ऐन गद्दी पर बैठी इसका राज्यकाल आन्तरिक और बाह्य दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण था रानी ऐन के समय मुख्य घटनाएं थी।

राजनैतिक दल —— इंग्लैण्ड में ह्विग और टोरी दो दल चार्ल्स द्वितीय के समय में ही थी जो दोनों दलों ने अपना विकसित रूप ले लिया था ह्विग दल राजा के अधिकारों

को सैद्धान्तिक अन्तर था ह्विग दल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का विरोधी था जबकि टोरी दल बन्दी ने, धर्म, समाज, पक्षपाती था इस दल बन्दी ने समस्त क्षेत्रों को प्रभावित साहित्य व्यापार राजनीति समस्त क्षेत्रों को प्रभावित करता था. इस दलबन्दी से इंग्लैण्ड और यूरोप को काफी लाभ होता था ह्विग दल राजा के अधिकार को सीमित कर के वैधानिक स्वतंत्र राजतंत्र की नींव डाली जबकि टोरी दल शान्ति स्थापित करने में योगदान दिया तथा आर्थिक स्थिति सुधारने में भी मदद किया विशेष कर किसानों एवं युवतियों की रक्षा के लिए बहुत काम किया।

साहित्य और राजनीति → साहित्य और राजनीति

S	M	T	W	T	F	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

13 Monday

का मिलन रानी ऐन के राज्य काल की महत्वपूर्ण घटना माना जाता है। ऐन के शासन में ही साहित्य एवं राजनीति सहयोगी के रूप में अग्रसर हुए चूंकि अभी तक संसद की कार्यवाही भाषण विवाद संसद तक सीमित रहता था न उनका प्रकाशन न राजनैतिक सभाएं लेकिन संसद के अधिकारों में वृद्धि होने के कारण आवश्यक हो गया कि राजनैतिक दल जनता को अपने पक्ष में करने के लिए राजनैतिक विचारों का प्रचार करें वह भी समाचारपत्र एवं विज्ञापनों के माध्यम से

इंगलैण्ड और स्कॉटलैण्ड का एकीकरण →

14 Tuesday

इंगलैण्ड और स्कॉटलैण्ड का का एकीकरण रानी ऐन शासन काल का महत्वपूर्ण माना जाता है प्रारम्भ से दोनों देशों का सम्बन्ध अच्छे नहीं थे। जब वातावरण तनावपूर्ण हो गया तो स्कॉटलैण्ड ने एक सुरक्षा कानून पास किया और यह निर्णय किया कि जबतक इंगलैण्ड स्कॉटलैण्ड के व्यापारियों को सुविधा एवं प्रेसबिटेरियन मत को सुरक्षा नहीं देता तब तक वह रानी ऐन की मृत्यु के बाद हनोवर वंश के राजाओं को स्वीकार नहीं करेगा। इस पर इंगलैण्ड के

REDMI NOTE 9 PRO
AI QUAD CAMERA

इंग्लैंड की नयी संसद ने सीमर्स एक्ट पास कर स्कॉटलैंड को दी जाने वाली सभी सुविधाएं छीन ली गई दोनों देशों पर युद्ध के बादल मंडराने लगे ऐसी स्थिति में स्कॉटलैंड का व्यापारिक स्वार्थ तथा इंग्लैंड को स्कॉटलैंड एवं जेकोबाइट्स की खतरे के वजह से दोनों देशों की लाभप्रद एकीकरण के द्वारा समझौता हुआ जिसके तहत दोनों 31 - 31 सदस्यों की संयुक्त कमेटी बनी जिनको अर्थ दोनों के बीच एकताकानून की शर्तों को तय करनी थी कुछ अन्तर के मिलके शर्त तैयार कि फिर पहले स्कॉटलैंड और बाद में इंग्लैंड के संसद पास कर स्वीकृति दी इस प्रकार 1707 ई० में इंग्लैंड स्कॉटलैंड यूनियन बना और इंग्लैंड ग्रेटब्रिटेन हो गया जिसमें स्कॉटलैंड

और इंग्लैंड शामिल हो गया। ऊपर स्कॉटलैंड परन्तु यह में तरह - तरह की के विचार उत्पन्न हुए परन्तु यह दोनों देशों की शत्रुता सब के शांत ही रह गया, दोनों देशों की शत्रुता खत्म हो गई

इस प्रकार कह सकते हैं कि अनेक दुविधाओं के बाद दोनों देशों को प्राप्त हुआ जो पहले से शत्रुता आ रही थी अब खत्म हो गई तथा राजनैतिक खतरे से छुटकारा मिला

स्थापित होने से उनके बीच सौहार्द्र सहानुभूति सहयोग की भावना का जन्म हुआ इस भावना ने भक्ति आन्दोलन के जन्म को प्रेरित किया

सूफी सन्तो का प्रभाव → सूफी सन्तों की उदारता, सहिष्णुता, प्रेम, एकेश्वरवाद, धर्मान्धता का विरोध और सत्य धर्म के प्रचार ने हिन्दुओं को प्रभावित किया और वे इस्लाम के सिद्धान्तो के निकटतम सम्पर्क में आये।

हिन्दु धर्म में सुधार की आवश्यकता → इस्लाम से प्रभावित होकर हिन्दुओं ने एकेश्वरवाद की महत्ता को पुनः स्वीकार किया हिन्दु धर्म में व्याप्त जाति पाति। छुआ छूत की भावना ऊंच नीच आदि भेद भाव का दूर करना बहुत आवश्यक था इसलिए हिन्दु धर्म को इस्लाम की तरह सरल एवं जनवादी बनाने के उद्देश्य से भक्ति आन्दोलन का जन्म हुआ।

ज्ञान मार्ग की जटिलता → हिन्दु जनता शंकराचार्य के ज्ञान मार्ग एवं अद्वैतवाद को नहीं समझ पायी। वह एक सुगम एवं सरल मार्ग की खोज में थी अतः भक्ति मार्ग को

वस दिया कम. इनमें, भक्ति जो तुर्क अफगान काल में पहले गया था मोक्ष प्राप्ति के लिए सरल मार्ग ढूंढना आवश्यक था

संक्षेप में 13 वीं से 16 वीं शताब्दी के बीच हिन्दु और मुस्लिम सम्प्रदायों के बीच सामंजस्य की स्थापना के लिए जिस नये आन्दोलन का सूत्रपात हुआ उसे भक्ति आन्दोलन की संज्ञा दी गई।

मध्यकाल में भक्ति आन्दोलन के जन्म के निम्नलिखित कारण है।

<u>ईश्वर का आश्रय</u> → भक्ति आन्दोलन के जन्म का प्रमुख कारण था कि हिन्दु जनता मुसलमान शासकों के निरंकुशता से कुंठित एवं त्रस्त थे निराशा के इस अंधकार में उन्हें एक मात्र ईश्वर था जो उन्हे कष्टों से मुक्ति दिला सकता था ईश्वर से निकटता स्थापित करने के लिए भक्ति मार्ग का सहारा लिया

हिन्दु और मुसलमानों के बीच परस्पर सद्भाव की भावना ——→ हिन्दु और मुसलमानों के बीच सामाजिक एवं सांस्कृतिक सम्बन्ध

जाता था केवल भक्ति मार्ग पर आधारित था
धर्म मार्ग के द्वारा ईश्वर की आराधना बिना किसी
विशेष ज्ञान से की जा सकती थी।

Monday 01
पौष सुदी १४-२०७४

हिन्दु धर्म की रक्षा की आवश्यकता → हिन्दु धर्म
में व्याप्त जाति प्रथा एवं छुआ छूत की भावना से तंग
आकर बहुत लोग मुसलमान बन रहे थे अतः समाज
सुधारको ने जाति व्यवस्था को भक्ति मार्ग के द्वारा
प्रभावित कर दिया। और इस मार्ग के द्वारा अछूतों के
लिए भी स्थान दिये। भक्ति आन्दोलन के महान संतों
रामानन्द ने निम्न जाति के लोगो को अपना शिष्य बनाया।

हिन्दु धर्म संस्थानों की रक्षा →
मुस्लिम आक्रमणकारी - शासकों ने हमेशा

Tuesday 02
पौष सुदी १५-२०७४

हिन्दु मन्दिरों एवं मूर्तियों को नष्ट किया हिन्दू
धर्म को इस अपमान से बचाने का उपाय था कि
भगवान के आराधना के बिना मन्दिर और मूर्ति
के की जाए।